Date 2/5/2020

Sanskrit (Honours)

B.A. (IInd Part

डॉ० [illegible] रमण मिश्र
अतिथि शिक्षक
विभाग - संस्कृत
आर० डी० एन० कॉलेज, मोहनिया
कैमूर (बिहार)

लघुसिद्धान्तकौमुदी (अजन्त प्रकरण) -

पूर्व में बताया गया है कि सर्वादि गण में पठित तथा विभिन्न गणसूत्रों के माध्यम से किन्हीं शब्दों की सर्वनाम संज्ञा होती है एवं उनके रूप किस प्रकार कुछ अलग हो जाते हैं। अब आगे पढ़ते हैं:-

(सूत्र) स्वमज्ञातिधनाख्यायाम् - 'ज्ञातिधनान्यवाचिनः स्वशब्दस्य प्राप्ता संज्ञा नहि स्यात्' अर्थात् ज्ञाति (बान्धव) एवं धन अर्थ से भिन्न अर्थ के वाचक 'स्व' शब्द की गणसूत्र से प्राप्त सर्वनाम संज्ञा 'जस्' में विकल्प से होता है।

इसका प्रतिफल यह होगा कि सर्वनाम संज्ञा नहीं होने की स्थिति में जसः शी' सूत्र से 'जस्' का 'शी' आदेश नहीं होगा।

स्वे, स्वाः - 'स्व' शब्द की 'अर्थवदधातुरप्रत्ययः प्रातिपदिकम्' सूत्र से प्रातिपदिक संज्ञा एवं 'स्वमज्ञातिधनाख्यायाम्' सूत्र से प्रथमा विभक्ति के बहु वचन में 'स्वौजसमौट्...' सूत्र से जस् प्रत्यय होने पर ज्ञाति एवं धन अर्थ से भिन्न अर्थ में सर्वनाम संज्ञा होने पर जसः शी' सूत्र से 'जस्' को 'शी' आदेश होने पर सर्वादेशसंज्ञक 'शी' की इत् संज्ञा एवं तस्य लोपः' सूत्र

Scanned with CamScanner

है उसका लोप होने पर 'स्व इ' इस अवस्था में आद्गुणः सूत्र के द्वारा एकादेश होने पर 'स्वे' यह रूप बनता है। 'स्व' शब्द की विकल्प से सर्वनाम संज्ञा होने की स्थिति में ऊपर वाले 'स्वा' से जोस का शी नहीं होगा। चूंकि सूत्र के 'जे' की अनुवृत्ति एवं तस्य लोपः सूत्र से उसका लोप होने पर 'स्व आत्' इस स्थिति में पूर्वसवर्ण दीर्घ होने पर तथा ~~स्व~~ सवर्ण का सवर्ण होने से सूत्र 'ए' आदेश, उपदेशेऽजनुनासिक इत्' सूत्र से उकार की इत्संज्ञा होने पर तथा 'वाक्यस्य टेः प्लुत उदात्तः' सूत्र से 'टि' के निवृत्त होने पर 'स्वाः' यह रूप सिद्ध होता है

'आत्मीया आत्मान इति वा' अर्थात् इसका अर्थ अपना ~~स्वाअपने~~ होता है

'ज्ञातिधनवाचिन तु स्वाः - ज्ञातय अर्थात् वा' अर्थात् ज्ञाति (बान्धव) एवं धन के अर्थ में सर्वनाम संज्ञा 'स्व' शब्द की होती ही नहीं। अतः उसका जोस का शी नहीं होगा जिससे 'स्वाः' यही रूप होगा।

(सूत्र) अन्तं बहिर्योगोपसंव्यानयोः - 'बाह्ये परिधानीये चार्थेऽन्तशब्दस्य प्राप्ता संज्ञा जोस वा' अर्थात् बाह्य (बाहर) एवं परिधानीय (अर्थात् वस्त्र) के अर्थ में अंतर शब्द की गणसूत्र से प्राप्त सर्वनाम संज्ञा जोस से विकल्प से होता है। ~~अतः~~

Rakesh Ram Pasu
7/5/2020

Scanned with CamScanner